अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें । 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है ।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5 X 3 = 15)

1. तीनताल में बेदम तिहाई।
2. धमार ताल में फरमाईश चक्रदार परण।
3. झपताल में कवित्त।
4. झपताल में चक्रदार परण।
5. धमार में तिपल्ली।

प्र. 2 अ) रिक्त स्थानों की पूर्तता करें। (10)

1. --- नृत्य पुरुषप्रधान नृत्य है।
2. भरतनाट्यम् नृत्य प्राचीन काल में सिर्फ --- दवारा प्रस्तुत होता था।
3. स्थायी भाव --------- प्रकार के हैं।
4. करुण रस का स्थायी भाव ------ है।
5. क्षमाशील, विनयशील यह स्वभाव ------ नायक का है।
6. भगवान श्रीकृष्ण जी --- नायक का उत्तम उदाहरण है।
7. नायक के प्रेम-अपराध की वजह से जो क्षुब्ध होती है वह ------ नायिका है।
8. संकीर्ण जाती में --------- मात्राएँ होती है।
9. क्रिया के ---- और ---- प्रकार हैं।

ब) सिर्फ नाम बताइए। (5)

1. नदी के प्रवाह जैसी चलनेवाली लय
2. समाज की पर्वा न करते हुए संकेतस्थल पर नायक से मिलनेवाली नायिका -
3. दशावतार में अंत का अवतार - (दसवा अवतार)

4. इस नृत्यप्रकार में अधिकतम रासलीला का प्रदर्शन होता है –
5. इसरस का स्थायी भाव जुगुप्सा है –

प्र. 3 सही या गलत बताइए। **(15)**

1. ताल के प्राणों की संख्या आठ (8) है।
2. दशावतार में दूसरा अवतार वराह अवतार है।
3. अद्‌भुत रस का स्थायी भाव भय है।
4. वीर रस के चार भेद माने जाते हैं।
5. नरसिंह अवतार की मुद्रा बनाते समय दोनों हाथ की कटकामुख मुद्रा दिखायी जाती है।
6. घमंडी नायक धीरोदात्त नायक है।
7. सात मात्राओं वाली जाती मिश्र जाती है।
8. 'प्रेमी संकेतस्थल पर मिलने के बुलाता है लेकिन खुद आता नहीं' यह वर्णन विप्रलब्धा नायिका का है।
9. चींटी की चाल के जैसी लय स्रोतावहा यती है।
10. वराह अवतार में श्री विष्णू जी ने हिरण्याक्ष राक्षस का वध किया।
11. कूर्म अवतार में समुद्र मंथन करते समय गोवर्धन पर्वत डूबने लगा था।
12. स्थायी भाव नौ (9) प्रकार के हैं।
13. कालिया–दमन रौद्र रस का उदाहरण है।
14. रावण, दुर्योधन यह धीरोद्‌धत नायक है।
15. भरतनाट्यम् नृत्य में हिंदुस्थानी संगीत का प्रयोग होता है।

प्र. 4 अ) संख्या बताइए । **(10)**

1. ताल के प्राण –
2. नायक भेद –
3. तिपल्ली में रचना की लय–
4. ताल गजझंपा की मात्राएँ–
5. हास्य रस के प्रकार–
6. जाती–
7. यति भेद–
8. श्री विष्णु जी के अवतार–
9. खंड जाती की मात्राएँ–
10. ताल–अंग–

ब) जोडीयाँ जमाइए। (5)

1. बाँट, चलन का विस्तार	1) धीरप्रशांत
2. गाय की पूँछ	2) प्रोषितपतिका
3. अष्टनायिका	3) तीश्र जाती
4. नायक भेद	4) गोपूच्छा
5. धात्रक धिकिट	5) प्रस्तार

प्र. 5 जानकारी दें। (15)

1. मणिपूरी नृत्य की वेशभूषा तथा वादयों के नाम। (2)
2. मत्स्य अवतार की मुद्रा का वर्णन। (2)
3. ताल धमार की ताली या खाली। (2)
4. हास्य रस और शांत रस के स्थायी भाव। (2)
5. समा और गोपूच्छा यति की लय। (2)
6. कथकली नृत्य की वेशभूषा तथा वादयों के नाम। (2)
7. कूर्म अवतार में समुद्र मंथन कथा में सें पर्वत और सर्प का नाम। (2)
8. धीरप्रशांत नायक का उदाहरण। (केवल एक) (1)

प्र. 6 अ) नवरस की जानकारी देते हुए सभी नवरसों के नाम उनके स्थायी भावों सहित लिखें। (10)

ब) भयानक रस और अद्‌भुत रस का वर्णन सोदाहरण करें। (5)

प्र. 7 टीप्पणी लिखें। (5 X 3 = 15)

1. भरतनाट्यम् नृत्यशैली की संपूर्ण जानकारी दें।
2. ताल के दस प्राणों में से किन्हीं दो प्राणों का विस्तृत वर्णन करें।
3. वराह अवतार की कथा तथा उसकी मुद्रा लिखें।

प्र. 8 नाट्य की उत्पत्ती, नाट्य का प्रयोग तथा नाट्य का प्रयोजन के बारे में विस्तृत में समझाइए। (15)

अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : कथ्थक

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। 2) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें। 3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। 4) सभी प्रश्नों के गुण समान है।

प्र. 1 लिपिबद्ध करें। (कोई तीन) (5 X 3 = 15)

1. ताल धमार में चक्रदार परण।
2. ताल छोटी सवारी में कवित्त।
3. ताल रास में साधा तोड़ा।
4. ताल धमार में परण जुडी आमद।
5. ताल रास में कवित्त।

प्र. 2 रिक्त स्थानों की पूर्ती करें। (1x15 = 15)

1. ---कजरी--- गायनशैली का संबंध सावन से है।
2. रति यह -स्थाईभाव- भाव है।
3. विभाव के --आलंबन- और उद्दीपन-- प्रकार है।
4. बोलों का समूह जो तीन लय में प्रस्तुत होता है उसे [illegible]--- कहते है।
5. ठुमकना इस शब्द से --ठुमरी--- का जन्म हुआ।
6. स्थायी और अंतरा यह --ख्याल-- गायनशैली का भाग है।
7. कवी जयदेव जी रचित ~~गीतगोविंद~~ में अनेकों अष्टपदी है। गीतगोविंद
8. कथ्थक नृत्य प्रस्तुती में तराना कथ्थक के -नृत्त--- अंग में समाविष्ट हुआ है।
9. त्रिवट-तिल्लकना-- नाम से भी जाना जाता है।
10. 'कौन गली गयो शाम' ---------- यह एक -ठुमरी------ है।
11. जुगलबंदी या सवाल-जवाब की प्रस्तुती को -[illegible]- नाम से जाना जाता है।

12. किसी भी रचना को सीधे क्रम से प्रस्तुत करें तो उसे -------- कहते है।

13. अपने जगह पे ही गती से घुमने की क्रिया को ------ कहते है। भ्रमरी

14. अमीर खुसरो जी- फारसी --- भाषा जानते थे।

प्र. 3 अ) जोडीयाँ जमाइए। **(1 x 10 = 10)**

1. त्रिभंग मुद्रा 5	1) रंग खेलने का भाव
2. ठुमरी 6	2) तीन अंग
3. तराना 7	3) राजा चक्रधर सिंह
4. चतुरंग 8	4) नौ
5. अष्टपदी 9	5) श्रीकृष्ण जी
6. होरी 1	6) पं. बिंदादीन महाराज
7. व्यभिचारी 10	7) अमीर खुसरो जी
8. त्रिवट 2	8) चार अंग
9. रायगढ 3	9) कवी जयदेव जी
10. स्थायी भाव 4	10) संचारी

ब) एक वाक्य में जवाब दें। **(1 x 5 = 5)**

1. 'आंगिकम् भुवनम् यस्य - शिव ----' यह कौनसे देवता की वंदना है?
2. होरी के नायक और नायिका कौन होते है? राधा - कृष्ण
3. रस निर्मिती के लिए जो बाह्य कारण हैं वह क्या हैं? एक उदाहरण दें। विभाव
4. भ्रमरी के अन्य दो नाम बताइए। फेरी, चक्कर
5. नर्तक के दो गुण लिखें।

प्र. 4 सही या गलत बताइए। **(15)**

1. तराना में भावाभिनय दिखाया जाता है। ✗
2. अष्टपदी अधिकतम् श्रीकृष्ण जी के जीवन पर आधारित होती है। ✓
3. सरगम 'चतुरंग' गायनशैली का एक अंग है। ✓
4. ठुमरी पर बैठकर भी भाव-प्रस्तुती की जाती है। ✓
5. तिपल्ली और तिहाई समान रचनाएँ हैं। ✓
6. ठुमरी अधिकतर शृंगार रस पर आधारित होती है। ✓

7. होरी भक्ती रस प्रधान होती है।
8. लॉक-डाँट में जुगलबंदी पेश की जाती है।
9. 'भ्रमरी' कथ्थक नृत्य की एक खासियत है।
10. चैती और ठुमरी कथ्थक नृत्य के नृत्तांग का भाग है।
11. ताल गजझंपा और ताल छोटी सवारी दोनों समान मात्राओं के ताल है।
12. रास नृत्य और कथ्थक नृत्य का कोई संबंध नही है।
13. ध्रुपद गीतप्रकार पे कथ्थक नृत्य में भावप्रस्तुती होती है।
14. रस की निष्पत्ती के लिए भाव-प्रस्तुती आवश्यक है।
15. कवित्त यह रचना सभी शास्त्रीय नृत्यशैलीयों में पायी जाती है।

प्र. 5 'कथ्थक नृत्य में नवाब वाजिदअली शाह जी का योगदान' इस विषय पर विस्तृत जानकारी दें। (15)

प्र. 6 परिभाषाएँ लिखें। (5x3 = 15)

1. न्यास-विन्यास
2. चैती
3. सुढंग
4. बेदम तिहाई
5. ध्रुपद

प्र. 7 क्या फरमाईश चक्रदार परण और कमाली चक्रदार परण समान रचनाएँ हैं? (15)
इनमें क्या अंतर है समझाइए। उदाहरण के साथ जानकारी दें।